

‘पाकिस्तान की सेना सुनियोजित तरीके से प्रजातंत्र को खत्म कर रही है’

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो जेल में हैं, ने एक वक्तव्य जारी करके यह कहा है कि “पाकिस्तान की सेना ने चुनाव जीत कर आयी सरकारों को केवल एक “रबड़-स्टाम्प” संस्थान बना दिया है, जिसे वे “रिमोट कंट्रोल” से चलाते हैं”

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 29 मई। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो वर्तमान में जेल में हैं और जिनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा हुआ है, ने एक बार फिर देश की सर्वशक्तिमान सैन्य व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना पर “व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को नष्ट करने” और “राजनीतिक व्यवस्था को अपने हितों के लिए हाइजैक करने” का आरोप लगाया है।
अपने नवीनतम बयान, जो उनकी कानूनी टीम के माध्यम से जारी किया गया और पाकिस्तानी तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ हिस्सों में प्रकाशित हुआ है, में खान ने आरोप लगाया कि सेना, खासकर रावलपिंडी में तैनात शीर्ष नेतृत्व, ने “निर्वाचित सरकारों को महज रबर स्टैम्प बना दिया है” और पाकिस्तान के लोकतंत्र को “एक नियंत्रित शासन में बदल दिया है, जो रिमोट कंट्रोल से चलाया जा रहा है।”
विडम्बना है कि कभी इमरान को सेना का पसंदीदा उम्मीदवार माना जाता

- यह एक अजीबोगरीब बात है कि 2018 के आम चुनाव में इमरान खान को पाकिस्तान में चहेता उम्मीदवार माना जाता था और वे चुनाव जीते तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने थे. सेना की पूरी मदद से।
- पर, 2022 तक इमरान खान व सेना के रिश्ते खट्टे हो चुके थे, विदेश नीति व सेना के उच्च अफसरों की नियुक्ति के सवाल पर तथा इमरान का खुला आरोप है कि सेना ने प्रायोजित अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उनको हटवा दिया था।
- इमरान खान इसी लय में यह साफ कह रहे हैं कि पाकिस्तान में सच्चा प्रजातंत्र तभी संभव है, जब सेना “बैरैक्ट्स” में लौट जाए और अपनी भूमिका संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं तक ही सीमित रखे।
- इमरान खान का यह “हृदय परिवर्तन” कैसे हुआ और क्यों हुआ?
- इमरान खान पहले तो सेना की मदद से प्र.मंत्री बने थे और अब सेना की भूमिका को ही बदलना चाहते हैं।
- पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक स्थिति का गहराई से विश्लेषण करने वाले प्रतिष्ठित विचारक के अनुसार, पहले तो इमरान खान ने सेना को मजबूत किया व सेना की भूमिका का पूर्ण समर्थन किया और पाकिस्तान की राजनीति में सेना को पैर जमाने का पूरा मौका दिया और अब वे पूर्णतया सेना की भूमिका को पाकिस्तान की गड़बड़ स्थिति के लिए जिम्मेवार ठहराना चाहते हैं।

था, विशेष रूप से 2018 के विवादस्पद आम चुनाव में, जिसमें उनकी पार्टी

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को सत्ता मिली थी।

2022 में विदेश नीति और सैन्य (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जासूसी के संदेह में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद का निजी सचिव गिरफ्तार

निजी सचिव सरकारी कर्मचारी है, वह विभाग को बताये बिना पाकिस्तान यात्रा पर गया था

जैसलमेर, 29 मई (नि.सं.)। जैसलमेर में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव शकूर खान को जासूसी के शक में सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा है।
वर्तमान में शकूर खान मंगलिया जिला रोजगार कार्यालय में क्लर्क हैं। उस पर आरोप है कि वह अपने विभाग को बिना बताए पाकिस्तान की यात्रा पर गया था। शकूर खान मंगलियों की ढाणी, बड़ोड़ा गांव का निवासी है। वह 2008 में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के तौर पर काम कर चुका है। उस वक़्त सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे।
शकूर को बुधवार को रोजगार कार्यालय से सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा। उससे पाकिस्तान यात्रा को लेकर पूछताछ की गई। जैसलमेर में पूछताछ के बाद रात को उसे जयपुर ले जाया गया। बताया जा रहा है कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। इसलिए उससे जयपुर में सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ करेंगी।

हाई कोर्ट ने कनिष्ठ अनुदेशकों के भर्ती नियमों में संशोधन को सही माना

जयपुर, 29 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के आईटीआई कॉलेजों में कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती- 2024 में राज्य सरकार की ओर से भर्ती नियमों में संशोधन करने को सही माना है। इसके साथ ही, अदालत ने कहा कि राज्य सरकार को भर्ती नियमों में संशोधन का

- **जस्टिस इंद्रजीत सिंह व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने अस्थिरियों की याचिका खारिज की।**

अधिकार है। वहीं, अदालत ने राज्य सरकार को यह भी छूट दी है कि वह 11 मार्च 2024 की भर्ती विज्ञापन के अनुसार कनिष्ठ अनुदेशक के पद पर भर्ती प्रक्रिया को जारी रख सकती है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश कोमल (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-अंजन राॅय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 29 मई। क्या आपने कभी “टाको” (टी.ए.सी.ओ.) या “टाको ट्रेड” के बारे में सुना है। इसका अर्थ है “ट्रम्प हमेशा पीछे हट जाते हैं।” (ट्रंप ऑलवेज चिकन्स आउट)। यह एक उपाधि है जो चीन के नेटिजन्स (इंटरनेट उपयोगकर्ताओं) ने उन्हें उस समय दी थी, जब वे चीन के साथ टैरिफ (शुल्क) युद्ध से डरते हुए नज़र आए। ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 145 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था, लेकिन बातचीत शुरू होने से पहले ही उसे चरणबद्ध तरीके से 30 प्रतिशत तक नीचे ले आए।
चीनी लोगों ने ट्रम्प की इन रियायतों को टैरिफ वॉर में चीन से टकराव के डर के रूप में देखा। इसके बाद खुद अमेरिका के प्रसिद्ध वॉल स्ट्रीट के लोगों ने उन्हें “टाको ट्रेड” की संज्ञा दी, यह कहते हुए कि अमेरिकी शेयर बाजार ट्रम्प की टैरिफ नीति पर बार-बार बदली जा रही स्थिति के कारण ऊपर-नीचे हो रहा है।
जब एक पत्रकार ने ओवल ऑफिस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प से ही टाको

ट्रम्प की, ताकतवर प्रतिद्वंदी के सामने पीछे हटने की प्रवृत्ति, इस उपाधि में कुछ सत्यता का भान तो कराती है

प्रश्न पूछ लिया, तो वे पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने इसे “सबसे घटिया सवाल” बताया और उस पत्रकार से फिर कभी यह सवाल न पूछने को कहा। वे यह साबित करने का प्रयास कर रहे कि वे कायर नहीं हैं।
लेकिन इस सर्वव्यापी उपाधि का खंडन करने की कोशिश में ट्रंप बड़बोले साबित हुए हैं। एक ऐसे नेता, जो अपने वार्दों के अनुरूप कुछ कर नहीं पाए, चाहे वह चुनाव जीतने पर यूक्रेन युद्ध को एक दिन में समाप्त करने का दावा हो, या संघीय खर्च और बजट घाटा कम करने की बात, हर मुद्दे पर ट्रम्प की असलियत सामने आ चुकी है।
ट्रंप के सबसे करीबी सहयोगी, एलन मस्क, जिन्हें उन्होंने सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था, उन्होंने बुधवार को इस्तीफा दे दिया। मस्क ने सार्वजनिक रूप से ट्रम्प की

- अमेरिका ने पहले तो चीन से अमेरिका आने वाले सामान पर 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की और फिर जैसे-जैसे यह टैरिफ लगाने की तारीख नज़दीक आती गई, कई चरणों में अमेरिका ने एक के बाद टैरिफ घटाना शुरू किया और अब 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात चल रही है।
- इसी प्रकार पहले अमेरिका ने यूक्रेन वॉर का शांतिपूर्ण हल ढूढ़ने की दिशा में रूस पर सख्ती करने (आर्थिक प्रतिबंध आदि) की घोषणा करने का मानस दिखाया, पर, जब रूस ने इन धमकियों की परवाह नहीं करते हुए यूक्रेन में अपना आक्रामक रूप जारी ही नहीं रखा, बल्कि और तेज कर दिया, तो, अमेरिका ने फिर कमजोरी दिखाई और कहा, आर्थिक प्रतिबंध आदि कदम उठाने से दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के प्रयासों को धक्का लगेगा।
- इसी प्रकार भारत-पाक युद्ध में ट्रम्प यह दंभ भरते रहे कि व्यापार न करने की धमकी देकर उन्होंने दोनों देशों को “सीज़फायर” करवायी। पर, भारत के विदेश मंत्री ने भी कसर नहीं छोड़ी ट्रंप के इस दंभपूर्ण कथन को गलत बताने में।
- बार-बार दंभपूर्ण धमकियां देना व फिर पीछे हटना, क्या कायरता की निशानी नहीं? तो क्या चीन की उपाधि, वाकई में सटीक नहीं है?

महाभियोग चलेगा जस्टिस वर्मा पर?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 29 मई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जस्टिस यशवंत वर्मा पर जल्द ही महाभियोग की तलवार लटक सकती है। महाभियोग संसद में लाया जाएगा, जो किसी मौजूदा न्यायाधीश को हटाने का एकमात्र उपाय है।
सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एक गोपनीय जॉच रिपोर्ट, जिसे इंडिया टुडे

- **सुप्रीम कोर्ट की गोपनीय जॉच रिपोर्ट, जिसे इंडिया टुडे ने खोज निकाला है, के अनुसार, जस्टिस वर्मा अपने आवास पर आग लगने के बाद मिले जले हुए नोटों पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दे सके, इसलिए उन पर संसद में महाभियोग चलाने की कार्यवाही की जा सकती है।**

ने खोज निकाला है, में न्यायाधीश के घर के अंदर जली हुई नकदी के ढेर पर कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं मिला है। गलत आचरण के गंभीर आरोपों, संदिग्ध आग लगने के दौरान देर रात के फोन और दिल्ली पुलिस द्वारा कानूनी अड़चनें बताए जाने के साथ, अब केन्द्र और संसद पर दबाव है।
मानसून सत्र नज़दीक आ रहा है, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा की आठ रिक्त सीटों पर चुनाव हैं, 19 जून को

इन चुनावों का गणना की दृष्टि से कुछ भारी असर नहीं पड़ेगा, राज्यसभा के राजनीतिक समीकरणों पर, लेकिन, एनडीए को थोड़ा नुकसान तो होगा ही इस चुनाव से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 29 मई। राज्यसभा की 8 रिक्त सीटों पर 19 जून को चुनाव होगा, इनमें से 6 सीटें तमिलनाडू से हैं और 2 असम से, हालांकि इनके नतीजों से राज्यसभा के सत्ता संतुलन पर खास फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन सत्तारूढ़ एनडीए को मामूली झटका लग सकता है, खासकर तमिलनाडु में जहाँ बदलते राजनैतिक समीकरणों से गठबंधन को कई सीटों का नुकसान हो सकता है।
तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का बहुमत है। उसके पास 133 सीटें हैं, उसे कांग्रेस (17 सीट), वीसीके (4 सीट) और वामपंथी दल (3 सीट) का समर्थन भी प्राप्त है। इसके विपरीत अन्नाद्रमुक के पास 66, भाजपा के पास 4, पीएमके के पास 3 सीटें हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 34 वोट चाहिए और इस प्रकार द्रमुक को अधिकांश सीटें जीतने की उम्मीद है।
एनडीए के पास अभी राज्यसभा में 128 सीटें हैं और अगर तमिलनाडु में एनडीए 3-4 सीटें हार जाता है तो इसकी सीटों की संख्या में चार की कमी

- इस चुनाव में 6 सीटें तमिलनाडु में भरी जायेंगी तथा भाजपा व अन्नाद्रमुक गठबंधन के पास चार सीटें कम हैं अपना उम्मीदवार जिताने के लिए। अतः, भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन को कोई खास राजनीतिक लाभ मिलने की संभावना नहीं है।
- आसाम में जो दो सांसद रिटायर हो रहे हैं वे दोनों एनडीए गठबंधन के सदस्य हैं। पर, आसाम में भाजपा को जितने वोट चाहिये अपना उम्मीदवार जिताने के लिए, उसमें चार विधायकों की कमी है। अतः भाजपा (एनडीए) को दो सीटों का नुकसान हो सकता है।
- इंडिया गठबंधन की राज्यसभा की सीट संख्या में शायद इज़ाफा नहीं हो, पर, अगर आसाम में भाजपा (एनडीए) दो सीटें हार जाती हैं तो इंडिया गठबंधन के मनोबल को जरूर मजबूती मिलेगी।

आ जाएगी। एनडीए की सीटों में यह कमी इंडिया गठबंधन का मनोबल बढ़ा सकती है। जिसकी सीटें 84 से बढ़कर 89 हो सकती हैं। हालांकि, गैर भाजपा, गैर कांग्रेसी दलों की सीटें 20 ही रहेंगी। असम में मुकाबले के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। यहाँ राज्य विधानसभा में 126 सीटें हैं। राज्यसभा

की एक सीट जीतने के लिए 42 वोटों की जरूरत होगी। यह से एनडीए के दो सदस्य बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य (असम गण परिषद) और भाजपा के कामाख्या प्रसाद तासा 4 जून को रिटायर हो रहे हैं। भाजपा के विधानसभा में कुछ नहीं कहा जा सकता। यहाँ राज्य विधानसभा में 126 सीटें हैं। राज्यसभा

‘बार-बार अनुबंधन होते हैं, पर, सामान (हथियार) नहीं आता’

वायुसेना अध्यक्ष अमर प्रीत सिंह ने चौंकाने व हिलाने वाली टिप्पणी की सेना को हथियार पहुंचाने में हो रहे विलम्ब पर

- **वायु सेना अध्यक्ष ने विशेष रूप से देशी हवाई कम्पनियों पर कटाक्ष करते हुए कहा, “युद्ध जीतने के लिये, सेना को सुदृढ़ होना जरूरी है।”**
- **उन्होंने तेजस लड़ाकू विमान का उदाहरण दिया। 2021 में हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड से 48,000 करोड़ का अनुबंध हुआ था, तेजस विमान के निर्माण व सप्लाई के लिये, 83 विमान मार्च, 2024, तक प्राप्त होने थे, वायु सेना को, पर अभी तक यह सप्लाई नहीं आई है।**

एयरक्राफ्ट (एलसीए) है, में से एक भी एयरक्राफ्ट अभी तक नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि फरवरी, 2021 में 48000 करोड़ रु. के कॉन्ट्रैक्ट के पीएसयू अवार्ड के बाद, मार्च, 2024 में इनकी डिलीवरी शुरू होने की उम्मीद थी।
इस मामले में एचएएल दोषी भले ही दिखाई दे रही हो, लेकिन तथ्य यह है कि एचएएल का उत्पादन “जनरल

इलेक्ट्रिक” की ओर से इंजनों की धीमी डिलीवरी से प्रभावित हो रहा है, और इसके पीछे कारण यह है कि इस अमेरिकन फर्म को सप्लाई चेन की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, “तेजस एम्के 1 की डिलीवरी में विलम्ब हुआ है। तेजस एम्के 2 का प्रोटोटाइप अभी तक सामने नहीं आया है। गोपनीय एएमसीएफाइट्टर का प्रोटोटाइप अभी तक है ही नहीं।

ज्ञातव्य है कि समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बीच सहयोग पर जोर देते हुये, आईएफएफ चीफ ने भारत में वैपन सिस्टम्स की डिजाइनिंग की आवश्यकता बताई तथा उन्होंने सशस् सेनाओं तथा उद्योग के बीच विश्वास एवं पारदर्शिता विकसित किये जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, “हम भारत में उत्पादन किये जाने के बारे में बात नहीं कर सकते, हमें डिजायनिंग के बारे में बात करने की जरूरत है। हमें जरूरत इस चीज की है कि सेनाओं और उद्योग के बीच विश्वास पैदा हो। हमें पूरी तरह खुला रहने की, पारदर्शिता की जरूरत है। अगर हमने किसी चीज के लिये वचन दे दिया है, तो हमें उसे पूरा करना चाहिये। एयर फोर्स भारत में निर्माण के लिये पूरे प्रयास कर रही है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान हाई कोर्ट को तीन नये न्यायाधीश मिलेंगे

जयपुर, 29 मई। राजस्थान हाईकोर्ट को जल्दी ही तीन नए न्यायाधीश मिलने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुरुवार को वकील कोटे से नियुक्ति के लिए भेजे गए तीन नामों पर अपनी स्वीकृति दे दी है। इसके लिए कॉलेजियम की ओर से केन्द्र सरकार को

- **वकील कोटे से अधिवक्ता बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित और रवि चिरानिया के नाम को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकृति दी।**
- जल्दी ही अपनी सिफारिश भेजी जाएगी और राष्ट्रपति भवन से इनकी नियुक्ति वारंट जारी होने के बाद इनका शपथ समारोह होगा। सुप्रीम कोर्ट की ओर से वकील कोटे से नियुक्ति के लिए राजस्थान हाईकोर्ट के अधिवक्ता बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित और रवि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बढकारियाँ ही हमारी उपीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

कंवरलाल मीणा की विधायकी समाप्त हो गई, किन्तु कारावास की सजा के कारण अयोग्य होने से सीट रिक्त होने का आदेश सही प्रतीत नहीं होता

राजस्थान विधानसभा के अन्ता (बांरा) जिले से विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कंवर लाल मीणा की विधानसभा सदस्यता, विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने दिनांक 1.5.2025 से समाप्त कर दी है और अन्ता विधान सभा सीट रिक्त घोषित की है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कंवरलाल मीणा विधायक को दोष सिद्धि की तारीख से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के तहत अयोग्य होना माना है। उसके विरूद्ध एक फौजदारी केस था, जिसके तथ्य है कि मीणा ने 3 फरवरी 2005 को मनोहर थाना (जिला झालावाड़) क्षेत्र में उपचुनाव के समय एसडीएम राम निवास मेहता को पिस्तौल दिखाकर वोटों की पुनः मतगणना कराने के लिये धमकी दी थी और लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 171(ई) का अपराध किया था। इस केस में लोअर कोर्ट ने (ट्रायल कोर्ट ने) सन 2018 में बरी कर दिया था; किन्तु अपील अदालत (एडीजे) ने 2020 में उनकी अपील खारिज की और उन्हें तीन वर्ष की सजा दी। कंवर मीणा को जो अपराध उन पर लगाया था उस पर दोष सिद्धि माना। कंवर लाल मीणा ने एडीजे के कन्वीक्शन के विरूद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय में शरण ली। उच्च न्यायालय ने प्रार्थना अस्वीकार कर दी। उच्च न्यायालय के विरूद्ध उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अपील प्रस्तुत की है, वह भी खारिज हो चुकी है। मीणा ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरूद्ध रिव्यू पिटीशन दायर की है जिस पर 15 जुलाई 2025 को सुनवाई होनी है। यहां यह लिखना भी समीचीन होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने मीणा की वह प्रार्थना कि उनकी सजा 2 साल कर दी जावे वह भी दिनांक 1 मई 2025 को अस्वीकार कर दी है।

अपील आदि के दौरान कोर्ट्स सजा स्थागित की थी; किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 1 मई, 2025 को कंवर लाल मीणा की याचिका खारिज कर दी। इससे यह अर्थ निकाला गया है कि सजा दिनांक 1 मई, 2025 से प्रभावशाली हो गई। किन्तु विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कंवरलाल मीणा की सदस्यता निरस्त नहीं की, इस पर अध्यक्ष विधानसभा ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वे किसी भी व्यक्ति के दवाब में काम नहीं करते वे प्रत्येक केस में उसके सभी पहलू पर गहन अध्ययन करते हैं और बिधि सम्मत और न्याय सम्मत निर्णय लेते हैं। उन्होंने अपना निर्णय लेने में महाधिक्वता से संविधान के अनुच्छेद 177 के तहत राय ली है अतः विलम्ब का आरोप उचित नहीं है। मीणा को दोष सिद्धि की तारीख दिनांक 1 मई 2025 से अयोग्य घोषित किया है। विधानसभा की सीट रिक्त हो गई है। इसके बाबत नये चुनाव की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी।

नेता प्रतिपक्ष टीकराम जुली ने विधान सभा के विरूद्ध देरी का आरोप लगाया है किन्तु विधायक कंवरलाल मीणा की विधायकी समाप्ति किये जाने को न्याय और सत्य की जीत बताया है और इसे कांग्रेस के संविधान बचाओ आन्दोलन की जीत कहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने भी इस घटना को सत्य की जीत कहा है और संविधान को सर्वोपरी स्वीकारा है। अध्यक्ष देवनानी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की है कि “वे नहीं चाहते कि वे ऐसा कोई कार्य करें जो वापिस पलट जायें”। उन्होंने अपनी पीड़ा अभिव्यक्त करते हुये कहा है कि वे इस मामले में राजनीतिकरण करना निन्दनीय मानते हैं। कंवर लाल मीणा ने तीन साल की सजा के बाद दिनांक 21 मई, 2025 को कोर्ट में सरेन्द्र किया। विधानसभा के बुलेटिन के हिसाब से उनकी विधायकी 1 मई 2025 से समाप्त होना माना गया।

जैसे ऊपर कहा है कंवर लाल मीणा को दोष सिद्धि की तारीख से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191 (1)(ई) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के तहत निरर्हिंत (अयोग्य क्युंनसंपत्ति) किया है। उनका कन्वीक्शन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 171(1)(ई) के तहत अपराध (वैमिदबम) कारित करने के कारण हुआ है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 घोषित करती है कि यदि किसी व्यक्ति का कन्वीक्शन (दोष सिद्धि) होता है तो उसे विधायिका की सदस्यता से अयोग्य माना जावेगा। यदि उसकी सजा 2 वर्ष से कम की नहीं है और वह अयोग्यता कन्वीक्शन की तारीख से होगी और अयोग्यता 6 वर्ष की होगी। अयोग्यता का प्रारम्भ कब से होगा इस बाबत प्रावधान धारा 8 की उपधारा (4) में किया गया है, जिसमें अपील, रिवीजन आदि की प्रक्रिया का समय शामिल किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) में विधायक की अयोग्यता का उल्लेख है, कि वह उस स्थिति में अयोग्य होगा जब इस बाबत संसद के द्वारा बनाये गये अधिनियम (कानून) में इसका प्रावधान हो और ऐसा प्रावधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 है जो संसद द्वारा पारित किया गया है जिसका उल्लेख ऊपर किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विधानसभा की सीट कब रिक्त होती है, इस बाबत संविधान के अनुच्छेद 190(3) में उल्लेख मिलता है।

इस केस में एफआईआर सन 2005 में दायर हुई। सन 2008 में कंवर लाल मीणा को भगोड़ा (डेबक्कमल) घोषित किया। सन 2011 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और अकलेरा के मजिस्ट्रेट की अदालत में फौजदारी मुकदमें की ट्रायल के लिये पेश किया। उसी दिन उसकी जमानत कोर्ट ने ली है। सन 2018 में उसे बरी कर दिया पर संदेह का लाभ देकर कन्वीक्शन के विरूद्ध अपील सेांश-जज में होती है। अतः एसडीएम मेहता ने जो कम्पलेन्ट कर्ता थे, उन्होंने अपील की और एडीजे ने उनकी अपील स्वीकार कर उन्हें तीन साल की सजा की। 2023 में कन्वीक्शन के विरूद्ध निगरानी राजस्थान उच्च न्यायालय में की।

माननीय न्यायालय ने अपने निर्णिय दिनांक 01.015.2025 से एडीजे के निर्णय को तथा तीन साल की सजा को सही ठहराया।

प्रश्न जो लेखक उद्देष्टित कर रहा है वह है क्या उपरोक्त परिस्थिति में कन्वीक्शन की तारीख 01.05.2025 मानना उचित है। लेखक का अपना विचार है कि सेांश-जज व हाईकोर्ट ने निचली अदालत के बरी के आदेश को गलत माना है अतः अपील अदालत का कन्वीक्शन का आदेश ही कन्वीक्शन का कारण है। वर्तमान केस में यह स्थिति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(4) को पढ़ने से स्पष्ट होती है, जिसमें सजा कब से प्रभावशील होगी इसकी प्रक्रिया दी गई है और स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता इस प्रक्रिया की समाप्ति पर लागू होगी, किन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट ने स्पसल जैवउं टेरा न्दवद वी प्दकपं – ज्मीमते :2013द्ध 10 ७७ 1130 में अपने निर्णय दिनांक 10 जुलाई 2013 से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(4) को अवैध घोषित किया है और इस प्रकार उक्त एक्ट 1951 की धारा 8(3) के कन्वीकट व्यक्ति को धारा 8(4) का कोई लाभ नहीं मिल सकता। एक अन्य विचार धारा भी पढ़ने को मिलती है, जिसके अनुसार रमा नारांन बगाम रमेश नारांन व अन्य के केस (1995) में सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि अपील अदालत कन्वीक्शन को सीआरपीसी (ब्राचक) 1973 की धारा 389 अथवा धारा 482 के तहत सजा पर रोक लगा सकती है; किन्तु रविकान्त एस पाटिल बनाम सर्वभैमा एस बागली (2007) के केस में न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि इस शक्ति का प्रयोग त्तमेज वी त्तम केसों में ही किया जा सकता है। इस दृष्टिकोण को नवराज सिंह सिद्धु बनाम स्टेट ऑफ पंजाब (2007) में भी समर्थन दिया है। प्रस्तुत केस में उपरोक्त कानूनी बिन्दुओं पर कोई चर्चा नहीं है अतः किस कानूनी आधार पर कोर्ट्स ने सजा पर स्थगन आदेश दिया नहीं कहा जा सकता।

इसी संबंध में यह भी कहा जा सकता है ये केसेज धारा 8(3) के कंवर लाल मीणा के केस से भिन्न थे। यह भी सच है धारा 8(4) को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया है, इसका केस पर क्या प्रभाव हुआ है, किसी भी पक्ष ने किसी भी कोर्ट का ध्यान आकर्षित नहीं किया गया। अध्यक्ष विधान सभा ने उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार कन्वीक्शन की तारीख 01.05.2025 सही मानकर निर्णय दिया है। कंवर लाल मीणा ने अपने कन्वीक्शन को कोर्ट्स में चुनौती दी है; किन्तु अयोग्यता दिनांक 01.05.2025 से लागू होगी। इस विषय पर किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी।

उपरोक्त मन्थन का सार यह है कि राज्य विधानसभा के सदस्य की अयोग्यता के मुख्य कानूनी प्रावधान संविधान का अनुच्छेद 191 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) है। उपधारा (4) धारा 8 को लिली थांमस के केस (निर्णयदिनांक 10.07.2013) में सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया है। इन दोनों कानूनों के कारण दोष सिद्धि अयोग्यता का कारण बनती है। यदि दोष सिद्धि में दो वर्ष या इससे अधिक कारावास की सजा दी गई है तो अयोग्यता स्वतः हो सकती है। इसे समझने के लिये संविधान के अनुच्छेद 190(3) को पढ़ना होगा। यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि विधान सभा की सीट दोष सिद्धि की तारीख से रिक्त होती है और दोष सिद्धि (व्ददअपबजपवद) 2020 में हुआ।

सत्यमेव जयते!
–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द्र जैन
पूर्व न्यायाधीश,
राजस्थान हाई कोर्ट

संपादकीय

महाराणा प्रताप: एक बहुआयामी व्यक्तित्व



शिवशंकर शर्मा

मुगलिया सल्तनत जिस व्यक्ति को जीतने की कोशिश करती रही और आजादी के बाद बर्मे मार्क्स – मैकाले के मुगल प्रेमी गठजोड़ उस व्यक्ति को भूलाने, नई पीढ़ी को एक पराजित राजा और केवल अपनी सत्ता के लिए लड़ने वाला युद्ध प्रिय ईसान बनाने के षडयंत्र रचता रहा पर पांच शताब्दियों के बाद भी जिसका नाम सुनकर शिराओं में शोणित उबाल मारने लगता है। ऐसे महान प्रतापी, स्वातंत्र्य प्रिय और धर्म ध्वजा के वाहक के बारे में अब्दुल रहीम खानखाना जिसे हम रहीम खान के नाम से या रहीम जी के नाम से जानते हैं लिखते हैं–

“धर्म रहसी, रहसी धरा खिखस जासे खुरसाणा।

अमर विशंभर ऊपरे राख नइचो राणा।।”

अर्थ :- मैं नहीं जानता धर्म धरा और यह मुगल कब तक रहेंगे पर मैं जानता हूँ तुम्हारा नाम सदा अमर रहेगा।

यह व्यक्ति कोई और नहीं हिंदुवा सूरज महाराणा प्रताप ही थे।विक्रम संवत् 1597 की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया (9 मई 1540 इस वर्ष 29 मई) को राणा उदय सिंह के घर जन्मे प्रताप, उस सूर्यवंश की 210 वीं पीढ़ी में थे जिसमें मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम 64वीं पीढ़ी में जन्मे थे और इन्हीं के वंश की आगामी पीढ़ी में जन्म हुआ छत्रपति शिवाजी महाराज का। 28 फरवरी 1572 को जब राणा उदय सिंह जी का निधन हुआ तो राज परिवार ने धीरे कंवर के पुत्र जगमाल सिंह को राणा घोषित करने का निर्णय किया परंतु गोगुंदा में जब राणा उदय सिंह

का अंतिम संस्कार हो रहा था, तो जनता ने राजतंत्र में लोकतंत्र की हुंकार भरते हुए प्रताप सिंह को महाराणा घोषित कर दिया। यह ठीक वैसे ही था जैसे उनकी 146 पीढ़ी पहले महाराज दशरथ द्वारा राजकुमार भरत को राजगद्दी सौंपने और युवराज श्री राम को वन गमन की आज्ञा देने पर जनता श्री राम के साथ वन गमन की तैयारी करने लगी थी राज आज्ञा का उल्लंघन करके। उस समय भगवान श्री राम ने युग धर्म का पालन कर वन गमन किया तो महाराणा प्रताप ने अपने युग धर्म का पालन करते हुए कांटों भरा ताज अपने सिर पर रख लिया।

यह वह समय था जब 1568 में अकबर ने चित्तौड़ पर कब्जा कर लिया था पर मेवाड़ ने अधीनता स्वीकार नहीं की थी और जब एकलिंग दीवान के रूप में राणा प्रताप ने मेवाड़ की बागडोर संभाली थी उसी वक्त अकबर की सेना गुजरात का अपना अभियान पूरा कर आगरा की ओर लौट रही थी तो मेवाड़ की सेना ने उसे रोककर दंड वसूल लिया। बादशाह अकबर एक ओर सभी जगह युद्ध जीत रहा था तो ठीक उसकी नाक के नीचे मेवाड़ अभी भी अधीनता स्वीकार नहीं कर रहा था।

राणा का रणनीतिक कौशल :- महाराणा प्रताप यह जानते थे कि एक सामूहिक सेना बनाकर हम मुगलों से उनकी ही मनमाफिक जगह पर लड़कर नहीं जीत सकते। क्योंकि मुगलों के पास संसाधन थे तो सेना भी। उन्होंने अपने पिता की रणनीतिक का अनुसरण किया, जिनका मानना था कि युद्ध स्थल होगी उनकी अपनी पहाड़ियां, महलों या किलों में बैठकर शत्रु का इंतजार नहीं करेंगे, बल्कि पहाड़ियों, दर्रां और जंगलों में शत्रु को शिकार बनाएंगे। रण क्षेत्र का यह बदलाव भारतीय इतिहास का एक विशेष मोड़ है, इसे बाद में शिवाजी महाराज ने भी अपनाया था। महाराणा प्रताप जहां मेवाड़ में आजादी का धर्म ध्वज थायें थे तो उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे बांसवाड़ा के राजा प्रताप सिंह, डूंगरपुर के रावल आसकरण, मारवाड़ में महाराजा चंद्रसेन सिरोही के राव सुरताण ईंदर के राजा नारायणदास,

जालौर में ताज खान। यह बदली हुई युद्ध नीति थी। अलग–अलग पर सामूहिक प्रयास यही कारण है कि मुगल सेना मेवाड़ में आती तो मारवाड़ में महाराजा चंद्रसेन उठ खड़े होते, मुगल टुकड़ी मारवाड़ की ओर आती तो सिरोही में राव सुरताण अपना कौशल दिखा देते।

हल्दीघाटी हारे नहीं जीते थे
महाराणा प्रताप :-जून 1576 में हुआ हल्दीघाटी का युद्ध महाराणा प्रताप के नेतृत्व में मेवाड़ की सेना जीती थी परंतु मार्क्स और मैकाले के मानस पुत्रों के द्वारा मुगल प्रेमी ने कभी मेवाड़ को पराजित तो कभी युद्ध को अनिर्णित बताकर मेवाड़ के गौरव के बहाने हिंदू समाज के विजय गौरव को कम करने की कोशिश की गई। परंतु अकबर का दरबारी लेखक था अब्दुल कादिर बादगूनी। उसने अपनी पुस्तक में लिखा है कि मुगलों की 5000 की सेना पर 3000 की मेवाड़ की सेना का गोगुंदा के उस तंग दर्रे में शुरूआती हमला इतना भयंकर था कि हमारी सेना बनावस नदी के पास-पास 8 मील तक भागने पर मजबूर हो गई थी। वह आगे लिखता है कि युद्ध के बाद हम गोगुंदा पहुंचे तो हमें इतना डर था कि रकने की जगह पर बड़ी दीवार बनाकर रूके ताकि रात को हमला नहीं हो जाए। इसके बाद वो लिखता है कि हम गोगुंदा से अजमेर की ओर आ रहे थे तो एक ओर तो जून महीने की तपती दुपहरी थी तो दूसरी ओर गांव–गांव में हमें लूट्टा जा रहा था। वहीं आगे लिखता है कि जब अकबर के विजय पर बड़ी राजा मानसिंह और आसद खान पहुंचे तो बादशाह ने गुस्से में उन्हें दरबार में आना बंद करवा दिया। यह सब कुछ बादगूनी ने लिखा है। जो अकबर के दरबार में था। बताइये, युद्ध से भागता कौन है? लूट्टाता कौन है? डरता कौन है? और युद्ध जीतकर आते अपना पैनापति से नाराज कौन होता है? इसके उत्तर आपके समझ में आ गए तो आप जान जाएंगे कि हल्दीघाटी का युद्ध ना मेवाड़ की सेना हारी ना अनिर्णित निर्णय रहा बल्कि महाराणा प्रताप के नेतृत्व में हल्दीघाटी का युद्ध मेवाड़ की सेना जीती थी। हल्दीघाटी के युद्ध के विजता महाराणा,

प्रताप थे, अगर वे नहीं होते तो जून 1576 के तत्काल बाद अक्टूबर 1576 में अकबर खुद मेवाड़ आने पर क्यों मजबूर हो जाता है ? वहीं 1576 के बाद के संथाना, मंडेरवाला, ओझा गांव में मिले ताम्रपत्र प्रताप की विजय गाथा कहते हैं, जिनमें यहां की भूमि दान में देने का उल्लेख है। अगर इन क्षेत्रों में महाराणा प्रताप का आधिपत्य नहीं होता तो यह दान में राणा कैसे भूमि दे सकते थे?

अकबर के मन में इतना भय व्याप्त हो गया कि किसी कवि ने लिखा है :-

माई एड़ा पूत जण, जेड़ा राणा प्रताप।

अकबर सुत्यो ओझ़के, जाण सिराने सांप।।

1585 के बाद के 12 वर्ष तक, जब तत्क महाराणा प्रताप जीवित रहे मुगल हिम्मत नहीं जुटा सके, कि वे मेवाड़ की ओर मुँह भी करें। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि अकबर उत्तर, पश्चिम में व्यस्त हो गया था तो महाराणा प्रताप के निधन के तुरंत बाद कैसे मेवाड़ की ओर आ धमका?

सामाजिक समरसता और स्वातंत्र्य क्रांति के पुरोधा :-समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर धर्म युद्ध लड़ने वाले महाराणा प्रताप का सामाजिक समरसता और लोक संग्रह का व्यवहार ही था कि भील समाज के रणबांकुरे पूंजा सोलंकी के नेतृत्व में महाराणा की सेना में आ मिलते हैं। हाकिम खान सूर मुगल सेना से दो-दो हाथ करते दिखते है, बूंदी के राजा सूरजन के पुत्र दूदा हो या सहसमल, ग्वालियर के राजा राम सहाय तोमर अपने पुत्रों शालीवाहन, प्रताप सिंह और भवानी सिंह के साथ युद्ध भूमि में जय एकलिंग का समवेत जय नाद करते दिखे। उनका कितना करिश्माई व्यक्तित्व होगा कि जब युद्ध काल में महाराणा प्रताप अपनी राजधानी का छोड़ कभी चारवंड, कभी मदारिया, कभी कोतलियरी, कभी गोगुंदा रहते हैं तो लोग कहते हैं रानू जी कहे बड़े उदयपुर अर्थात जहां राणा जी वही राजधानी, यह जनता का अपने राजा से एकाकार होना है।

इसी प्रकार का एक उदाहरण है जनजातीय समाज का एक वर्ग जो लोहार का काम करता है। पूरा समाज व्रत ले होता है, जब तक मातृभूमि आजाद नहीं तब तक पक्के मकान नहीं और यह व्रत वे आजादी के बाद कब भिभाते है। उनसे देश के पहले प्रधानमंत्री स्वयं आग्रह करते हैं कि हम आजाद हो गए। उनका जीवन कितना तेजस्वी रहा होगा कि भारत में कई युद्ध हुए पानीपत में 3 तराईन में 3 पर हल्दीघाटी के दर्शन करने का सपना हर भारतीय आज भी रखता है। 18 जून 1576 के वह तीन घंटे थे युद्ध अपने निर्णायक मोड़ पर था ऐसा कुछ तो विशेष हुआ कि यह माटी चंदन बन गई।

आजादी का आंदोलन और महाराणा प्रताप :-

केवल जीवित रहते हुए मुगलों से ही लड़े ऐसा नहीं है, वे अपने जीवन के बाद भी आजादी की लौ बनकर भारतीयों को प्रेरित करते रहे। कर्नल जेम्स टॉड ने राजस्थान की बीर गाथा को जब लिखकर दुनिया के सामने रखा तो सबसे पहले कोलकाता में ही। यह पुस्तक पढ़ते की थीयही गुलाम भारत में शिक्षा का प्रमुख केंद्र था।

महातमा की गाथा को पढ़कर बंगाली साहित्यकारों ने अनेक पुस्तकें लिखी,

आजादी की चाहत की जल रही मशाल को इन बलिदानी गाथाओं ने धधका दिया। आज भी बंगाल में अनेक पुस्तकालय में महाराणा प्रताप की गौरव गाथा बंगाली भाषा में ही मिल जाएगी।

1895 में लोकमान्य तिलक जब शिवाजी महोत्सव शुरू करते हैं तो शिवाजी के साथ महाराणा प्रताप की तस्वीर लगाई जाती है। उस समय गुंजा जय शिवा सरदार की, जय राणा प्रताप की इा कह यह नाद भारत की एकात्मता का जय गान बन गया। 1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी अखबार प्रकाशित करते हैं तो उन्हें नाम भी याद रहता है ‘प्रताप’। 1915 में उड़ीसा के बालासोर में वाघा जतिन नाम का क्रांतिकारी अपने सामर्थ्य का प्रकटीकरण करता है तब काजी नजरूल इस्लाम इसे नई हल्दीघाटी कहकर संबोधित करते है।

–शिव शंकर शर्मा, स्वतंत्र

पत्रकार

आतंकवाद और उग्रवाद : पूंजीवादी साम्राज्यवाद की अनिवार्य उपज



रामनिवास बैरवा

जनता हमेशा ही शान्ति प्रिय होती है और सेनाएं भी युद्ध नहीं चाहती। वहीं सरकारें अपने मूल चरित्र में हिंसक होती हैं। पुलिस आमतौर पर सरकार की संगठित हिंसा का चेहरा होती है। विरासत में प्राप्त सामाजिक और राजनीतिक विचारधारा और तदनुसूप बनाये गये कानून पुलिस को हिंसक बना देते हैं, सामाजिक भावना-विहीन, मानवीय भावना-विहीन बना देती है। परिणामस्वरूप पुलिस प्रत्येक नागरिक को एक अपराधी मानती है और कुछ नहीं तो किसी भी नागरिक के द्वारा अपनी बात कहने को भी ‘शान्तिभंग’ तथा ‘राजकार्य’ में व्यवधान’ बताकर अपने चरित्र का परिचय देती है।

दूसरी तरफ सत्ता तक पहुंचने की लालसा में बिभिन्न राजनीतिक पार्टियों के अंतर्द्वंद्व इतने उग्र हो जाते हैं कि राजनीतिक हिंसा उनके लिए एक प्रकार से सामान्य जैसी होती है। जब सरकारी हिंसा और राजनीतिक हिंसा मिल जाती है, एकाकार हो जाती है तब उसका प्रदर्शन, आन्तरिक रूप से, दूसरे गुटों–

राशिफल शुक्रवार 30 मई, 2025



पंडित अनिल शर्मा

शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थसिद्धि योग और रवियोग रात्रि 9:29 तक है। कुमार योग रात्रि 9:23 से रात्रि 9:29 तक रहेगा। आज भद्रा दिन 10:20 से रात्रि 9:23 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी, उमा चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ अमृत 7:19 से 10:42 तक, शुभ 12:24 से 2:06 तक, चर 5:29 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:11

मेष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
आर्थिक कार्यों से अटक हुए कार्य बने लगेगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में श्रान्ति प्राप्त होगी। दिन के मध्याह्न पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कर्क
व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्याह्न पश्चात घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से अटके हुए कार्य करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगेगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार लगेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आकवासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बने लगेगे। दिन के मध्याह्न अटक हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगेगे।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आलस्य कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बने कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्याह्न पश्चात अटक हुए कार्य बने लगेगे।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम का सकते हैं। साप्ताहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्याह्न पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं रहेगा।

मकर
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटक हुए कार्य बने लगेगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बने लगेगे। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

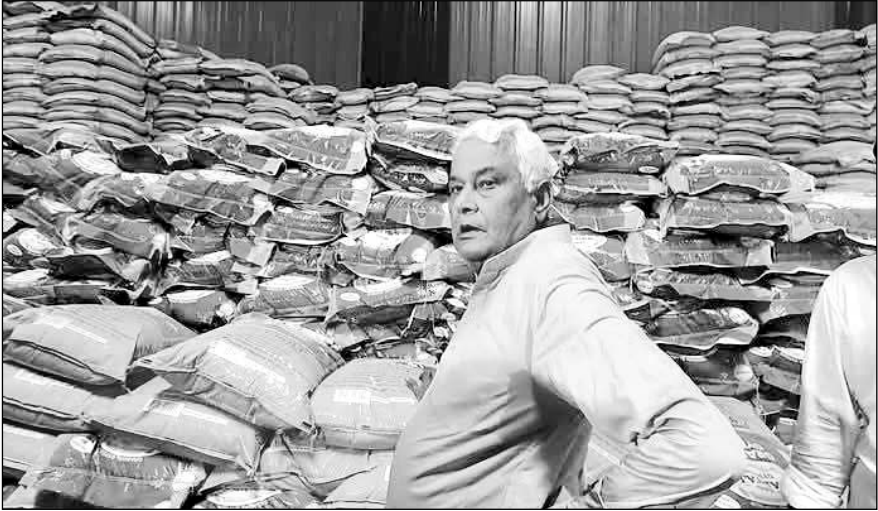
कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापा मारा

किशनगढ़ में वर्षों से नकली खाद बनाने वाली फैक्टरी भूमि एग्रो इंडस्ट्रीज सहित 10 फर्जी खाद फैक्ट्रीयों में कार्रवाई की

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने किशनगढ़ में वर्षों से नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्री भूमि एग्रो इंडस्ट्रीज सहित 10 फर्जी खाद फैक्ट्रीयों में अकस्मात छापामार कार्रवाई कर काले कारोबार का भांडाफोड़ किया। कार्रवाई से फैक्टरी मालिकों में हड़कंप मच गया। ईसान के साथ जानवरों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार यहां मिलीभगत से करीब 30 फैक्ट्रीयों में ब्रांडेड नकली खाद बनाकर किसानों के साथ धोखा किया जा रहा था। बड़ी मात्रा में मौके पर नकली खाद मिलने पर कृषि मंत्री मीणा ने विभागीय अधिकारियों से सख्त लहजे में सवाल किये तो अधिकारी टालमटोल रवैया अपनाकर इधर-उधर झंकने लगे।

जानकारी के अनुसार कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने उदयपुर कला व किशनगढ़ में फर्जी खाद बनाने वाली फैक्ट्रीयों पर विभागीय टीम के साथ



कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने किशनगढ़ में नकली खाद बनाने वाली फैक्टरी पर छापा मारा।

छापामार कार्रवाई की। मंत्री की मौजूदगी में डीएपी, एसएसपी पोटाश और अन्य खाद नकली दाने से तैयार कर ब्रांडेड बैग्स में भरकर सप्लाई की जा रही थी। कृषि मंत्री ने मौके पर

मौजूद अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि यह किसानों के साथ बड़ा धोखा है, ईसान के साथ जानवरों के जीवन के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कई फैक्ट्रीयों

में जाकर मार्बल चूरा, बजरी व मिट्टी में रंग मिलाकर तैयार की जा रही खाद के नमूने जब्त किये। गौरतलब है कि धनाह्वय कारोबारियों द्वारा खाद फैक्टरी लगाकर बड़े लेवल पर नकली

■ **डीएपी, एसएसपी पोटाश और अन्य खाद नकली दाने से तैयार कर ब्रांडेड बैग्स में भरकर सप्लाई की जा रही थी**

■ **कृषि मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि यह किसानों के साथ बड़ा धोखा है**

खाद तैयार किया जा रहा है। इनको विभागीय सरपरस्त के अलावा अन्य विभाग के खुली छूट मिली हुई है, जिसके चलते इनके हौसले बुलंद है। कृषि मंत्री मीणा ने गोपनीय सूचना मिलने पर पहली बार छापा मारकर काले कारोबार का भांडाफोड़ किया है।

कांस्टेबल की मौत के बाद पुलिस प्रशासन जागा, कई जगह कार्रवाई की

बजरी माफियाओं के खिलाफ सर्च अभियान चलाया, दो सौ पुलिसकर्मियों ने 85 किलोमीटर दायरे में फैली कई पंचायतों में एक साथ रेड दी

जोधपुर, (कासं)। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन को लेकर दो दिन पहले लूणी थाने के एक जवान को अपनी जान गंवानी पड़ी। उसकी जान जाने के बाद कमिश्नरेट का पुलिस महकमा अब अलर्ट मोड़ पर आया है। सुबह सात बजे से दो सौ पुलिस कर्मियों की टीमों ने 85 किलोमीटर दायरे में फैली कई पंचायतों में एक साथ रेड दी है। लूणी, कुड़ी और विवेक विहार की ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर एक साथ रेड दी गई है। अवैध बजरी खनन में प्रयुक्त अवैध वाहनों की धरपकड़ के साथ भारी मात्रा में बजरी का स्टॉक भी पकड़ा है। हालांकि दोपहर तक पूर्ण आंकड़ों पुलिस नहीं बता पाई। कार्रवाई जारी है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजर्षि राज ने बताया कि सुबह सात बजे से लूणी की 25 ग्राम पंचायतों, कुड़ी-विवेक विहार की पंचायतों को चिन्हित

■ **अवैध बजरी खनन एवं परिवहन का पता लगाकर अवैध बजरी दुलाई में लगे अवैध वाहनों की धरपकड़ की, वांछित अपराधियों को भी पकड़ा**

कर एक साथ रेड दी गई है। इसमें 8 एडीसीपी, 4 एसपी, 13 एसएचओ-सब इंस्पेक्टर सहित 175 पुलिस कर्मियों को अलग अलग टीमें बनाकर लगाया गया है। डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि पंचायतों में चिन्हित स्थानों पर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन का पता लगाया जाकर अवैध बजरी दुलाई में लगे अवैध वाहनों की धरपकड़ की गई है, साथ ही वांछित

अपराधियों को भी पकड़ा गया है। लूणी तहसील क्षेत्र में 2.5 ग्राम पंचायतें है जहां एक साथ रेड दी गई है। भारी मात्रा में बजरी का स्टॉक भी मिला है। कई सारे भारी हल्के वाहनों को भी सीज किया गया है।

डीसीपी वेस्ट राजर्षि राज ने कांस्टेबल सुनील की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि पिछले पांच माह से जिला पश्चिम में अवैध बजरी के खनन एवं परिवहन को लेकर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। कईयों की संपत्ति भी सीज की गई है। साथ ही भारी मात्रा में अवैध बजरी का स्टॉक भी नीलतारण किया गया है। 18 नाकों पर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन पर निगाह रखी जा रही है। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन को लेकर 18 नाकें कार्य कर रहे हैं। आने जाने वाले मार्गों पर सख्त नजर रखी जा रही है।

कांस्टेबल ने सरकारी कार्मिक से 80 हजार रुपए वसूले

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल क्षेत्र में एक बार फिर खकी के दामन पर दाग लग गया, नानकपुर चौकी पर तैनात कांस्टेबल हंसराज गुर्जर कई दिनों से गिरोह बनाकर लोगों को ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठने का कार्य कर रहा था। वहीं कल एक सरकारी कार्मिक से 80 हजार रुपए ऑनलाइन वसूले, जिसकी



आरोपी कांन्स्टेबल

■ **मामले में भीलवाड़ा एसपी ने कांस्टेबल को गिरफ्तार करके सस्पेंड कर दिया**

भनक भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक को लग गई और कांस्टेबल को गिरफ्तार करके सस्पेंड कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नानकपुर के रिहायशी इलाके में युवती के साथ बैठे सरकारी अधिकारी को छोड़ने की एवज में कांन्स्टेबल ने पांच लाख रुपए की मांग कर दी। इसके बाद 80 हजार रुपए अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए। वहीं बाकी की रकम अगले दिन देने के बाद उसे छोड़ दिया। पीड़ित सरकारी विभाग के अधिकारी ने वहां से जाने के बाद उसकी शिकायत भीलवाड़ा एसपी से कर डाली। मामले में एसपी ने हाथों हाथ एक्शन लेते हुए कांन्स्टेबल को सस्पेंड कर गिरफ्तार करने के आदेश दे दिए। शिकायत मिलने के बाद आरोपी कांन्स्टेबल हंसराज गुर्जर को सस्पेंड करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। उससे

मामले को लेकर डिटेल इन्वेस्टिगेशन की जा रही है। बुधवार देर रात सरकारी विभाग का एक अधिकारी युवती से मिलने पहुंचा था। इस दौरान कुछ लड़के वहां पहुंचे और उसके बाद कांन्स्टेबल भी वहां पहुंचा। आरोप है कि हंसराज ने अधिकारी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। मामला रफा-दफा करने की एवज में पांच लाख की डिमांड करने लगा। इसके बाद हंसराज ने अपने अकाउंट में 80 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर भी करवाए थे। बाकी की रकम बाद में देने की बात हुई थी। इसके बाद पीड़ित अधिकारी भीलवाड़ा एसपी धर्मेन्द्र सिंह के सस्पेंड कर गिरफ्तार करने पहुंच गया। शिकायत के सत्यापन के बाद एसपी ने मामले में एक्शन लिया। मामले की जांच गुलाबपुर पुलिस उपाधीक्षक कर रहे हैं।

दुष्कर्म के बाद वीडियो वायरल करने की धमकी दी, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर जिले की एक युवती को जोधपुर लाकर युवक ने गैस्ट हाउस में ठहराया। उसके साथ दुष्कर्म किए जाने के साथ धमकियां दीं। उसके फोटो वीडियो वायरल करने को कहा। पीड़िता को नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म किया गया था।

ब्लैकमेल की धमकियां मिलने पर पीड़िता ने उदयमंदिर थाने में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि जैसलमेर का एक युगल रेलवे स्टेशन जोधपुर के सामने एक गैस्ट हाउस पर आया था, जहां पर युवती को युवक ने नशीला पदार्थ

पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके फोटो वीडियो बना लिए। बाद में युवती पर दबाव बनाने के लिए वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता के साथ मारपीट भी की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि युवक दो साल से यौन शोषण करता आ रहा है।

एडमिशन के नाम पर 1.5 लाख रुपये की ठगी

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ स्थित सारण नगर सी रोड पर रहने वाली एक लड़की का एएनएम में दाखिला करवाने के नाम पर उसके पिता से एक व्यक्ति ने 1.5 लाख रूपए ऐंट लिए। मगर उसकी लड़की का दाखिला नहीं हो पाया। जब वापस रूपए मांगे गए तो वह टालमटोल जवाब देता रहा। इस पर पीड़ित की तरफ से अब बनाड़ थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी गई है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि मूलतः भावी बिलाड़ा हाल सारण नगर सी रोड बनाड़ निवासी शंकरलाल जाट ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया है कि उसके एक परिचित भंवरलाल ने उसकी बेटी का एएनएम में दाखिला कराने का झंसा देकर 1.50 लाख रूपए ऐंट लिए, मगर उसकी बच्ची का दाखिला नहीं करवा पाया। बनाड़ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

धवा डाकघर शाखा में लगे कार्मिक पर 2.50 लाख के गबन का आरोप

कार्मिक ने प्रविष्टियों में व्हाइटनर लगाकर हिसाब-किताब को खुर्द-बुर्द किया

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती झंवर स्थित धवा शाखा डाकघर में कार्यरत एक कार्मिक के अपने कार्यकाल की 16 माह की अवधि में गबन किए जाने का मामला सामने आया है। उस पर आरोप है कि उसने 2.50 लाख रूपयों का गबन किया और प्रविष्टियों में छेड़छाड़ करते हुए उन्हें व्हाइटनर से साफ कर दिया। जब ऑडिट वैकंग हुई तब इसका खुलासा हुआ। अब डाक विभाग प्रबंधन की तरफ से कार्मिक के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करवाया गया है। मामला डाक अधीक्षक विभाग के देवाराम पुत्र हरचंद राम की तरफ से दर्ज कराया गया है। पुलिस की तरफ से इसमें अब जांच आरंभ की गई है।

रिपोर्ट में आरोप है कि जीवाराम पुनिया ग्रामीण डाकसेवक शाखा डाकपाल (पुट ऑफ ड्यूटी) धवा शाखा डाकघर लेखा कार्यालय पाल द्वारा धवा (पाल) शाखा डाकघर स्थित सुकन्या

■ **वर्ष 2022 के वार्षिक निरीक्षण के समय शाखा डाकघर धवा में इस प्रकार की अनियमितताएं होना पाई गई थी**

समृद्धि खाता, बचत बैंक खातों और आवर्ती जमा खातों के जमाकर्ताओं द्वारा जमा की जाने वाली राशि को उनके खातों की पासबुकों में अपने हस्ताक्षरयुक्त फर्जी /ब्लूटीप्रविष्टियोंकरके धवाशाखाडाकघर में कार्यरत रहते हुए 2 लाख 50 हजार 400 रूपए की सरकारी राशि का गबन किया गया। वर्ष 2022 के वार्षिक निरीक्षण के समय शाखा डाकघर धवा में इस प्रकार की अनियमितताएं होना पाई गई थी। शाखा डाकघर के सुकन्या समृद्धि खातों, आवर्ती जमा खातों एवं बचत बैंक खातों की पासबुक में डाकपाल द्वारा जमा

राशि की प्रविष्टि करके सरकारी मद में हिसाब में नहीं लेने और कई प्रविष्टियाँ सफेदी व्हाइटनर लगाकर मिटाये जाने के मामले प्रकाश में आए। जिसमें लगभग 44 सुकन्या समृद्धि खातों में रुपए 2,03,800 राशि का, 7 आवर्ती जमा खातों में रुपये 10,600 की राशि का और 2 बचत बैंक खातों में रुपये 36000 राशि का दुर्विनियोजन किया गया। इस प्रकार कुल मिलाकर 2 लाख 50 हजार 400 रूपए का गबन किया गया। जीवाराम पुनिया शाखा डाकपाल धवा (पाल) ने 19 अप्रेल 2021 से 10 अगस्त 2022 तक शाखा डाकपाल धवा (पाल) के पद पर कार्यरत होने के समय सुकन्या समृद्धि योजना, आवर्ती जमा खाता योजना और बचल बैंक के खातों की पासबुक में जमा की फर्जी प्रविष्टियाँ दिखाकर तथा असपष्ट तरीख मोहर लगा दी गई। राशि का गबन उक्त अवधि में किया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का रलावता ग्राम पंचायत से राज्य स्तरीय शुभारंभ



अजमेर जिले की ग्राम पंचायत रलावता में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ।

मंत्रालय के 2,170 वैज्ञानिक टीमें लगभग 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद करेंगी।

कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि यह अभियान किसानों की समृद्धि और कृषि में नवाचार को जोड़ने वाला एक राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार का हर निर्णय विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में समर्पित है और इसका सबसे मजबूत आधार हमारे अन्नदाता किसान हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं एक कृषक परिवार से हैं और खेती से जुड़ा उनका

जीवन अनुभव इस बात को सिद्ध करता है कि आज के समय में वैज्ञानिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं के समुचित उपयोग से खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। चौधरी ने कहा कि खेती अब एक उद्योग का रूप ले रही है। आने वाला समय इसे देश की सबसे बड़ी इंडस्ट्री बना देगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़कर वैज्ञानिकों से संवाद करें और नई तकनीकों को अपनाकर अपनी खेती को लाभदायक बनाएं।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान कृषि, उद्यानिकी,

माफिया ने खातेदारी जमीन से एक करोड़ रुपये का जिप्सम खोदा

खान विभाग की टीम पहुंची, खनन क्षेत्र में मिट्टी डालकर जमीन समतल करने का प्रयास भी किया था

- **फोरमैन ने हलका पटवार गुलुवाली के पटवारी को मौके पर बुलाया और छानबीन की, मुकदमा दर्ज करवाया**
- **खाजुवाला के ग्राम 2एचडबल्यूएम गुल्लुवाली का मामला, सरकार को एक करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ**

जिले में जिप्सम माफिया सक्रिय है और लगातार अवैध खनन कर रहा है। खाजुवाला के ग्राम 2एचडबल्यूएम गुल्लुवाली में खातेदारी जमीन से मशीनें लगाकर लंबे समय से जिप्सम का अवैध खनन किया गया और एक करोड़ रुपए से ज्यादा का जिप्सम खोद डाला। खान विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि मुर्ब्बा नंबर 26/33 के रकबा 4.2993 में जिप्सम का अवैध खनन कर जमीन पर मिट्टी डालकर समतल करने का प्रयास

किया गया है। माफिया गिरोह के लोगों ने 5175 टन जिप्सम खोद डाला जिससे सरकार को एक करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फोरमैन अनुरुद्धसिंह भाटी ने हलका पटवार गुलुवाली के पटवारी को मौके पर बुलाया और पूरी छानबीन की। बड़े पैमाने पर जिप्सम का अवैध खनन सामने आने पर मौके पर पंचनामा तैयार किया गया और खाजुवाला पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। एफआईआर में बशीर खान व

अन्य को नामजद किया गया है। खाजुवाला के ग्राम 2एचडबल्यूएम गुलुवाली में 5175 टन जिप्सम का अवैध खनन माना गया है। इतने बड़े पैमाने पर जिप्सम खनन हुआ। माफिया गिरोह के लोग लंबे समय से जेसीबी चलाकर गाड़ियां भरते रहे। जिप्सम का अवैध परिवहन होता रहा और स्थानीय प्रशासन और पुलिस को पता ही नहीं चला। खाजुवाला में वन विभाग की जमीनों पर भी जमकर अवैध खनन होता रहा है।

बीकानेर प्रदेश का सबसे गर्म जिला, पारा 44.8 डिग्री पार

मौसम विभाग के अनुसार 31 मई तक तापमान में वृद्धि का क्रम जारी रहेगा

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक है। मई के अंतिम सप्ताह में जहां बीकानेर का तापमान सामान्यतः 43 डिग्री के आसपास रहता है, वहीं इस बार यह 45 डिग्री के करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 31 मई तक तापमान में वृद्धि का क्रम जारी

रहेगा। रात हुई हल्की बारिश ने कुछ राहत प्रदान की। इसके कारण बुधवार की रात और गुरुवार की सुबह तापमान सामान्य रहा और लू का प्रकोप भी नहीं महसूस किया गया।

विभाग का अनुमान है कि दोपहर बाद तापमान बढ़कर 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। राहत की बात यह है कि जून के पहले सप्ताह में गर्मी से कुछ राहत मिलने की संभावना

है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 31 मई तक तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। इस वर्ष मानसून के भी समय से पहले आने की उम्मीद है। सामान्यतः जुलाई में आने वाला मानसून इस बार 3-4 दिन पहले बीकानेर पहुंच सकता है। यद्यपि वर्तमान में बीकानेर गर्मी की चपेट में है, परंतु आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद बनी हुई है।

नाबालिग से दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने दुष्कर्म कर फरार हुए आरोपी को बुधवार को दबोच लिया। विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि पीड़ित पक्ष ने 1 मई को थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उसके बाद विराटनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने आरोपी के खिलाफ नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। आरोपी ने नाबालिग का फायदा उठाकर और

दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया। विराटनगर थानाधिकारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा घटना से फरार अभियुक्त सुरेश कुमार बावरिया पुत्र रामकरण बावरिया की तालाश करते हुए भीलवाड़ा से दस्तयाब कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया गया एवं अपहर्तों को दस्तयाब किया।

दो बदमाशों को दबोचा

जयपुर। भट्ठा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध धारदार हथियार लेकर घूमते दो बदमाशों को दबोचा है और उनके पास से धारदार दो छुरें भी बरामद किये है। दोनों ही नशा करने के आदी है और नशा पूर्ति के लिए नकबजनी और स्नेचिंग को वारदात करते है। इसके अलावा चोरी छुपे घूम-घूम कर शहर में स्मैक भी बेचते है।

फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोंगरा डूडी ने बताया कि पुलिस थानाधिकारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा घटना से फरार अभियुक्त सुरेश कुमार बावरिया पुत्र रामकरण बावरिया की तालाश करते हुए भीलवाड़ा से दस्तयाब कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया गया एवं अपहर्तों को दस्तयाब किया है।

■ **केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बीज रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया**

जोधपुर के निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने अभियान की परिकल्पना, उद्देश्य एवं कार्य योजना की जानकारी दी। एनआरसीएसएस, अजमेर के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों और किसानों की सहभागिता को सराहनीय बताया।

उद्यान विभाग के आयुक्त सुरेश ओला ने विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा की। ग्राम पंचायत रलावता के सरपंच महेश कुमावत ने आधार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात डॉ. बलराज सिंह के नेतृत्व में पशुपालन, कृषि, बागवानी विभागों के अधिकारियों, राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र तथा कृषि अनुसंधान उप केंद्र के वैज्ञानिकों के साथ किसानों की संबंदात्मक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रतिनिधीय किसान, ग्रामवासी, पंचायतीराज प्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

चित्रकूट धाम के पास सरकारी पार्क
टंकी के पास अवैध हथियार लेकर
राहा है। सूचना विश्वसनीय होने पर सु-
से पुलिस बजिला स्पेशल टीमी ने त्
कार्यवाही करत हुए एसए के आ
पर मुखबिर् द्वारा बताए गए स-
पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति जालम सिंह
गुप्ता सिंह की तलाशी की गई तल
के दौरान कारतुस के पास एक पिस्
मय पांच कारतुस जिंदा मिले।
हथियार के लाइसेंस के संबंध में
गया तो लाइसेंस नहीं होना बताय
अभियुक्त को मौके पर गिरफ्तार
मौके पर अवैध हथियार जन्ती
कार्रवाई की गई तथा आरोपी के वि
प्रकरण दर्ज किया गया।

बढ़ी है। किसान मानते हैं कि यदि इसी तरह साथ देती रही, तो किसान हानि को कुछ भरपाई अब खरीफ में जा सकते हैं। एक तरफ ओलावृष्टि पीड़ा अब भी किसानों के मन में दूसरी ओर जेट माह की बारिश ने नई ऊर्जा दी है। अगर अब सरसमय पर बीज, मुआवजा तकनीकी सहयोग दे, तो किसान से उभर सकते हैं।

खेत की बीजाई में जुटे हैं

जानकारी के अनुसार किसान केवल फिर से सक्रिय हो गए हैं, बल्कि इस बार उन्नत किस्म के बीजों खरीदारी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे जो सरसों में, जो गाई... अब इस मोटा अनाज ही उम्मीद है। गौरतलब कि 28 फरवरी 2025 की जो शाम आसमान से ओले बरसे थे, आज गांवों के किसानों के मन में ताजे सरसों की तैयार खड़ी फसल

त, आज और कल

में एक दूसरे के प्रति सम्मान भाग थे, लेकिन अब कुटुआ अधिक रहती हैं। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनीतिक विचारधारा भले अलग हो, लेकिन सभी जनप्रतिनिधि

सीधे देख सकती है। इससे सदस्यों आचरण व व्यवहार में सुधार आएगा तथा पारदर्शिता भी कायम हो रही है। राजस्थान विधानसभा पेपरलैस हो गई। सभी विधायकों को आईपेड दिए गए तथा पहली बार में ही 70 प्रतिशत अधिक विधायकों ने इसका उपयोग करते हुए पेपरलैस वक्त को अपना देरनाही ने कहा कि वक्त का अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए पीठासीन अधिकारी को सख्त होंगे।

दौर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। भाग्य-
रूपधरेण, महावीर स्वामी के दौर में
यही व्यवस्था थी। वर्तमान समाज
लोकतांत्रिक प्रणाली में विधायिका
महत्त्वपूर्ण पदक है। यह विधान नि-
के साथ ही कार्यपालिका के कामकाज
को भी नियंत्रित करती है। पहले
दौर में विधायिका का माहौल दे-
योग्य था, आज इसमें गिरावट आ-
विधायी कार्यों में भी आकां-
जनप्रतिनिधियों के आचरण
गिरावट आई है। जनप्रतिनिधि रि-
लेते पकड़े जा रहे हैं, यह दौर कह-
जाएगा यह सोचने वाली बात
चपलते ने राक्षसपणा में द्विपद
व्यवस्था भी जोर दिया।
विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जो-
भारतीय संविधान को प्रस्तावन
बात प्राप्ति करते हुए कहा कि संस-
लोकतंत्र की मूल भावना प्रस्ताव-
निहित है।

